

न्यायालय:-दिलीप सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, तहसील  
बैहर, जिला बालाघाट म.प्र.

दाण्डिक प्रकरण क्रमांक-756 / 12

संस्थित दिनांक-18 / 09 / 2012

फाई.क. 234503000032012

म.प्र. राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र मलाजखण्ड,  
जिला बालाघाट म0प्र0।

.....अभियोजन

### विरुद्ध

ओमकार पिता गोविंदसिंह कश्यप उम्र-38 वर्ष, जाति राजपूत  
निवासी-भोरवाही थाना परसवाड़ा जिला बालाघाट (म.प्र.) .....अभियुक्त

—:: निर्णय ::—

—::दिनांक-23 / 01 / 2018 को घोषित::—

1— अभियुक्त पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा-279, 304ए(दो बार), 338 का आरोप है कि अभियुक्त ने घटना दिनांक-30/07/2012 को प्रातः 10:15 बजे ग्राम मंडई में भागचंद पटले के घर के पास मेन रोड अंतर्गत थाना मलाजखण्ड में वाहन बस क्रमांक एम.पी.50/ई-0168 को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मानव जीवन संकटापन्न कारित कर उक्त वाहन को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मोटरसाइकिल क्र. एम.पी.50/बी-2872 को ठोस मारकर उसमें बैठे मृतक चिमनलाल और मृतक सुन्दरलाल की मृत्यु इस प्रकार कारित की जो कि आपराधिक मानव वध की कोटि में नहीं आती तथा उक्त वाहन को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मोटरसाइकिल क्र. एम.पी. 50/बी-2872 को ठोस मारकर उसमें बैठे प्रवीण को घोर उपहति कारित किया।

2— अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि फरियादी भागचंद पटले ने पुलिस थाना मलाजखण्ड में रिपोर्ट लेखबद्ध कराई थी कि दिनांक-30/07/2012 को 10:15 बजे प्रतिदिन की तरह पटेल कंपनी की बस फरियादी के गांव में उसके मकान से कुछ दूरी पर खड़ी हुई थी तभी बहुत जोर की आवाज आई थी। फरियादी ने रोड पर निकलकर देखा था तो तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित रोड पर गिरे थे। फरियादी देखने गया था उसी समय रमेश चौधरी भी आया था। घटनास्थल पर प्रवीण बिसेन, चिमनलाल

कटरे और सुदर इनवाती गिरे पड़े थे। पटेल बस के ड्रायवर ने बस को तेज गति से लापरवाहीपूर्वक मंडई तरफ से चलाते हुए लाकर चिमनलाल की सुजुकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। टक्कर मारने से चिमनलाल कटरे और सुदरलाल इनवाती दोनों की घटनास्थल पर मृत्यु हो गयी थी। प्रवीण बिसेन घायल हो गया था। मोटरसाइकिल सामने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी थी, बस ड्रायवर साईड से पिचक गयी थी। दोनों मृतक एव आहत प्रवीण कुमार को सिर पर चोट आयी थी। बस हरे रंग की थी जिसका नम्बर एम.पी.50/ई-0168 था। ड्रायवर बस लेकर मलाजखण्ड की तरफ भाग गया था। पुलिस थाना मलाजखण्ड ने मृतक चिमनलाल कटरे एवं सुन्दरलाल इनवाती का पी.एम. कराकर एवं आहत का मेडिकल परीक्षण कराकर फरियादी की रिपोर्ट पर से अभियुक्त के विरुद्ध अपराध क्रमांक-86/12 का प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान उपरान्त न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

3- प्रकरण में अभियुक्त को तत्कालीन पूर्व पीठासीन अधिकारी ने भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 304ए(दो बार), 338 का अपराध विवरण बनाकर पढ़कर सुनाया एवं समझाया था, तो अभियुक्त ने अपराध करना अस्वीकार किया था एवं विचारण चाहा था।

4- अभियुक्त का धारा-313 द.प्र.सं. के अंतर्गत अभियुक्त परीक्षण किये जाने पर अभियुक्त का कहना है कि वह निर्दोष है, उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। अभियुक्त ने बचाव साक्ष्य नहीं देना व्यक्त किया था।

5- प्रकरण के निराकरण हेतु विचारणीय बिन्दु निम्नलिखित हैं:-

1. क्या अभियुक्त ने घटना दिनांक-30/07/2012 को प्रातः 10:15 बजे ग्राम मंडई में भागचंद पटले के घर के पास मेन रोड अंतर्गत थाना मलाजखण्ड में वाहन बस क्रमांक एम. पी. 50/ ई-0168 को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मानव जीवन संकटापन्न कारित किया ?
2. क्या अभियुक्त ने उक्त घटना दिनांक, समय व स्थान पर उक्त वाहन को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मोटरसाइकिल क्र. एम.पी.50/बी-2872 को ठोस मारकर उसमें बैठे मृतक चिमनलाल और मृतक सुन्दरलाल की मृत्यु इस प्रकार कारित की जो कि आपराधिक मानव वध की कोटि में नहीं आती ?

3. क्या अभियुक्त ने उक्त घटना दिनांक, समय व स्थान पर उक्त वाहन को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मोटरसाइकिल क्र. एम.पी.50/बी-2872 को ठोस मारकर उसमें बैठे प्रवीण को घोर उपहति कारित किया ?

विवेचना एवं निष्कर्ष :-

### विचारणीय बिन्दु क्र-1, 2 एवं 3 का निराकरण

6— प्रकरण में साक्ष्य की पुनरावृत्ति नहीं हो इस कारण सभी विचारणीय बिंदुओं का निराकरण एक साथ किया जा रहा है।

7— प्रवीण बिसेन अ.सा.07 का कथन है कि वह अभियुक्त को जानता है। घटना दिनांक 30.07.2012 की सुबह के लगभग 10:00 बजे की ग्राम चकरवाही के पास की है। मृतक सुंदरलाल साक्षी का चाचा था। घटना दिनांक को साक्षी चिमनलाल के साथ मोटरसाइकिल में बैठकर ग्राम खोलवा से पलेरा जा रहा था। मोटरसाइकिल ग्राम चकरवाही के मोड़ पर अपने साईड में थी। सामने से पटेल बस आई थी एवं मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के पश्चात साक्षी बेहोश हो गया था। साक्षी बस चालक को नहीं देख पाया था। दुर्घटना पटेल बस चालक की गलती से हुई थी। घटना में साक्षी का दायां हाथ टूट गया था साक्षी को बाएं पैर, कमर, सिर में चोट आयी थी। घटनास्थल पर चिमनलाल की मृत्यु हो गयी थी। घटना के कुछ समय पूर्व ही सुंदरलाल मोटरसाइकिल में बैठा था और कुछ देर के बाद घटना हो गयी थी। साक्षी का ईलाज शासकीय अस्पताल बिरसा में हुआ था उसके बाद बालाघाट में हुआ था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि दुर्घटना मोड़ पर अचानक हुई थी या कैसे हुई थी साक्षी को पता नहीं है।

8— भागचंद अ.सा.02 का कथन है कि घटना उसके न्यायालयीन कथन से दो वर्ष पूर्व की दिन के 10:30 बजे की है। घटना के समय वह अपने घर पर था। आवाज होने पर साक्षी ने घर से निकलकर देखा था। दो-तीन व्यक्ति गिरे पड़े हुए थे। उनकी मोटरसाइकिल पिचकी हुई पड़ी थी। घटनास्थल पर पटेल बस के ड्राइवर ने थोड़ी देर बस को रोका था, इसके बाद थाना चला गया था। घटना के बाद रमेश चौधरी घटनास्थल पर आया था। घटना के थोड़ी देर बाद प्रवीण को होश आया था। साक्षी ने ईलाज के लिए प्रवीण को

अस्पताल भिजवाया था। साक्षी ने थाने में जाकर प्र.पी.02 की रिपोर्ट लिखायी थी। पुलिस ने घटनास्थल का मौकानक्शा प्र.पी.03 साक्षी के समक्ष बनाया था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि उसने घटना होते हुए नहीं देखी थी। प्र.पी.02 की प्रथम सूचना रिपोर्ट में साक्षी ने यह नहीं बताया था कि उसने घटना होते हुए देखी थी एवं घटना कैसे घटी थी।

9— रमेश चौधरी अ.सा.03 का कथन है कि घटना उसके न्यायालयीन कथन से दो वर्ष पूर्व की दिन के 10:30 बजे की है। घटना के समय साक्षी बस के पीछे एक मकान के पास खड़ा था। आवाज आयी थी तब साक्षी ने देखा था। तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित गिर गये थे। साक्षी ने पास जाकर देखा था दो व्यक्ति मर चुके थे एक व्यक्ति घायल अवस्था में था। सूचना देने पर पुलिस घटनास्थल पर आयी थी। दोनो मृतक को पोस्टमार्टम के लिए एवं घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया था। साक्षी ने पुलिस को घटना के संबंध में बयान दिया था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि उसने घटना होते हुए नहीं देखी थी। पुलिस ने साक्षी के समक्ष कोई बस जप्त नहीं की थी। प्र.पी.08 के जप्ती पत्रक में क्या लिखा था साक्षी ने पढ़कर नहीं देखा था।

10— बृजलाल अ.सा.04 का कथन है कि आहत प्रवीण उसका भतीजा है। वह घटना के एक दिन पहले उसके भतीजे प्रवीण के साथ ग्राम खोलवा गया था। ग्राम खोलवा से दो-तीन दिन बाद प्रवीण अकेला पल्हेरा स्कूल जा रहा था। तब साक्षी को ग्राम पल्हेरा के मुन्नु खोब्रागढ़े ने सूचना देकर बताया था कि सुंदरलाल और चिमनलाल का एक्सीडेंट हो गया है। साक्षी ने बिरसा अस्पताल में जाकर देखा था। साक्षी के भतीजे प्रवीण को पैर, हाथ एवं कमर पर चोट लगी थी। प्रवीण को प्राथमिक उपचार के बाद बालाघाट ले गये थे। पुलिस ने घटना के संबंध में साक्षी के बयान लिये थे। साक्षी को इस बात की जानकारी नहीं है कि अभियुक्त वाहन को तेजी एवं लापरवाही से चला रहा था।

11— लालीमा इनवाती अ.सा.01 का कथन है कि वह अभियुक्त को जानती है। सुन्दरलाल उसके पिता थे। घटना 30 तारीख वर्ष 2012 की दिन के 10:30 बजे की ग्राम चकरवाही की है। साक्षी के पिता चिमनलाल के साथ स्कूल जाने के लिए निकले थे। साक्षी को फोन से सूचना मिली थी कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है। साक्षी ने घटनास्थल पर जाकर देखा था तो उसके पिता एवं



चिमनलाल खून से लतपथ पड़े हुए थे। साक्षी उसके पिता एवं चिमनलाल को घटनास्थल से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए ले गयी थी। साक्षी को पता चला था कि पटेल बस वाले ने टक्कर मार दी थी। साक्षी ने पुलिस को पूछताछ करने पर यह बताया था कि बस को काफी तेजी से चलाया जा रहा था। साक्षी ने प्र.पी.01 के पुलिस कथन का ए से ए भाग पुलिस को देना बताया है। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि घटना के समय वह घटनास्थल पर उपस्थित नहीं थी। साक्षी ने इस सुझाव को अस्वीकार किया है कि उसने पुलिस बयान प्र.पी.01 में यह नहीं बताया है कि बस को काफी तेजी से चलाया जा रहा था। यह साक्षी घटना के समय घटनास्थल पर उपस्थित नहीं थी।

12— कुमेश्वरी कटरे अ.सा.05 का कथन है कि मृतक चिमनलाल उसके पति थे। घटना 30 जुलाई वर्ष 2012 की दिन के करीब 10:00 बजे ग्राम चकरवाही रोड की है। साक्षी के पति मलाजखण्ड से पल्हेरा अपनी मोटरसाइकिल से भटलाई स्कूल जा रहे थे। अभियुक्त ने पटेल बस को तेजी एवं लापरवाही से चलाते हुए साक्षी के पति को टक्कर मार दी थी। जिससे साक्षी के पति को सिर में चोट लगी थी। मोटरसाइकिल पर साक्षी के पति के साथ बैठे सुंदरलाल को भी चोट लगी थी। साक्षी के पति की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी। पुलिस ने साक्षी से घटना के संबंध में पूछताछ की थी। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि घटना के समय वह पति के साथ मौजूद नहीं थी। साक्षी ने घटना होते हुए नहीं देखी थी। साक्षी को भागचंद ने घटना के बारे में बताया था। भागचंद का घटनास्थल के पास मकान है। परंतु भागचंद स्वयं ने प्रतिपरीक्षण में यह स्वीकार किया है कि उसने घटना होते हुए नहीं देखा था। ऐसी स्थिति में कुमेश्वरी कटरे अ.सा.05 की साक्ष्य से घटना का समर्थन नहीं होता है।

13— भागवती अ.सा.06 का कथन है कि मृतक सुंदरलाल उसके पति थे। घटना वर्ष 2012 की दिन के लगभग 10-11 बजे की ग्राम चकरवाही की है। गांव के व्यक्तियों ने साक्षी को आकर बताया था कि उसके पति का एक्सीडेंट हो गया है। तब साक्षी घटनास्थल पर गयी थी। घटनास्थल पर साक्षी के पति सुंदरलाल एवं आहत चिमनलाल की मृत्यु हो गयी थी वह रोड पर पड़े थे। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि दुर्घटना बस चालक की

गलती से हुई थी, इस बात की जानकारी साक्षी को किस व्यक्ति ने दी थी साक्षी को पता नहीं है।

14— गोपाल राव पटले अ.सा.12 का कथन है कि घटना कब की है उसे पता नहीं है। साक्षी घटना के बारे में नहीं जानता है। सुंदरलाल एवं चिमनलाल के एक्सीडेंट की साक्षी को जानकारी नहीं है। संतोष कुमार पटेल अ.सा.10 का कथन है कि उसकी बस क्रमांक एम.पी.50/ई-0168 को अभियुक्त ओमकार दिनांक 30.07.2012 को चलाकर बालाघाट आ रहा था। इस संबंध में साक्षी ने पुलिस थाना मलाजखण्ड के मांगने पर आवेदन लिख कर दिया था जो प्र.पी.11 है जिसके ए से ए भाग पर साक्षी के हस्ताक्षर हैं।

15— एम. मेश्राम अ.सा.08 का कथन है कि वह दिनांक 30.07.2011 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरसा में मेडिकल आफिसर के पद पर पदस्थ थे। उक्त दिनांक को थाना मलाजखण्ड का आरक्षक कमल क्रमांक-701 आहत प्रवीण को मेडिकल परीक्षण के लिए लेकर आया था। साक्षी ने आहत प्रवीण का मेडिकल परीक्षण करने पर उसे निम्न उपहृतियां पार्यीं थी—चोट क्र01—माथे के मध्य भाग पर एक कटीफटी चोट जिसका आकार ढाई इंच गुणा आधा इंच गुणा आधा इंच का था। चोट क्र.02— दाहिने भों की बाहर की ओर एक खरोंच जिसका आकार एक इंच गुणा इंच का था। चोट क्र.03—दाहिनी कनपटी पर एक खरोंच जिसका आकार सवा इंच गुणा एक इंच था। चोट क्र04—दाहिनी कलाई के मध्य भाग पर एक खरोंच जिसका आकार पौन इंच गुणा आधा इंच था। चोट क्र05—दाहिने घुटने के बाहर की ओर एक खरोंच जिसका आकार एक इंच गुणा पौन इंच था। चोट क्र06—दाहिने पैर पर बहुत सारी खरोंच थीं जिन्हें नापना संभव नहीं था। चिकित्सक के अभिमत में आहत की सभी चोटें कड़ी, बोथरी, खुरदुरी वस्तु द्वारा अथवा रोड एक्सीडेंट से होना दर्शित हो रही थीं। आहत की सभी चोटें चिकित्सक के परीक्षण से दो घण्टे के पूर्व की थीं। आहत की चोट क्र01 को छोड़कर सभी चोटें साधारण प्रकृति की थीं। चोट क्र01 में हेड इंजुरी की संभावना को देखते हुए चिकित्सक ने, खोपड़ी का एक्सरे, उपचार एवं अभिमत के लिए आहत को जिला चिकित्सालय विशेषज्ञ के पास रिफर किया था। चिकित्सक का परीक्षण प्रतिवेदन प्र.पी.09 है।

16— एल.एन.एस.उडके अ.सा.09 का कथन है कि वह दिनांक 30.07.2012 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरसा में चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। उक्त दिनांक को थाना मलाजखण्ड से आरक्षक लिखेश्वर क 823 मृतक

चीमनलाल एवं सुंदरलाल के शव को शव परीक्षण के लिए लेकर आया था। साक्षी ने मृतक चिमनलाल एवं सुंदरलाल के शव का परीक्षण करने पर उनके शरीर में मृत्यु की स्थिति में उपस्थित राईजर बाडीज दोनो हाथ व पैर में पाया था। चिकित्सक ने मृतक चिमनलाल के शव परीक्षण में निम्न चोट पायीं थी—चोट क्र01—कटाफटा घाव जो उसके दाये कपाल पर था। जिसकी लम्बाई 2 इंच चौड़ाई 1 इंच थी। इस चोट का स्वरूप जानलेवा एवं गंभीर किस्म का था। उसी से संबंधित निचले भाग की हडडी और मांसपेशियां भी टूटीफूटी थी। मृतक की दीमांग की झिल्ली, सेरीब्रल हेमीस्फियर, सेरीब्रम एवं अन्य दिमांग के कोमल भाग क्षतिग्रस्त हो गये थे। चोट क्र02— दाये जांघ की हडडी घुटने के उपर टूटी हुई थी। चोट गंभीर किस्म की जानलेवा चोट थी। चोट क्र03—कटाफटा घाव छाति के दाये भाग में स्थित था जिसकी लम्बाई 2 इंच चौड़ाई 1 इंच उसका क्लेविकल बोन भी फैंक्चर थी। उपरी दाये भाग की तीन उपरी पसलियां स्टर्नल ज्वाइंट के निकट के भाग से हडडी टूटी हुई थी। चोट क्र04—दाये भाग का जबडा टूटा हुआ पाया था। जो गंभीर एवं जानलेवा स्वरूप का था। चोट क्र05— बाये पैर के जोड की हडडी भी फैंक्चर थी। उपरोक्त पांचों चोटे एवं घाव, जानलेवा एवं गंभीर स्वरूप के थे। चिकित्सक ने मृतक सुंदरलाल के शव परीक्षण में निम्न चोट पायीं थी—चोट क्र01—कटाफटा घाव लम्बाई 2 इंच चौड़ाई 1.5 इंच जो मांसपेशियों की गहराई तक थी। चोट से हडडी प्रभावित हुई थी। घाव से खून का स्त्राव पाया गया था। घाव से संबंधित भाग की निचली हडडी टूटी हुई थी। चोट कड़ी व बोथरी वस्तु से आना प्रतीत होती थी। यह चोट जानलेवा एवं गंभीर किस्म की थी। चोट सिर के कपाल के सामने भाग में स्थित थी। चिकित्सक ने मृतक चिमनलाल एवं सुंदरलाल बाह्य व आंतरिक परीक्षण में—दोनो के शरीर औसत कद काठी के पाये थे। चिकित्सक के अभिमत में चिमनलाल की मृत्यु का कारण गंभीर व जानलेवा चोट लगने एवं मृतक सुंदरलाल की मृत्यु का कारण सिर के कपाल में गंभीर व जानलेवा चोट लगने एवं दोनो मृतकों का अत्यधिक रक्त स्त्राव होने से सॉक या सिनकोपी के फलस्वरूप हुई थी। दोनो की मृत्यु शव परीक्षण के समय छः से बारह घण्टे के अंदर हुई थीं। चिकित्सक द्वारा मृतकों की दी गयीं परीक्षण रिपोर्ट प्र.पी.09ए एवं 10 हैं, जिन पर चिकित्सक के हस्ताक्षर हैं।

17— मनोज मांगरे सहायक उपनिरीक्षक अ.सा.11 का कथन है कि दिनांक 30.07.2011 को फरियादी भागचंद पटले ने थाना मलाजखण्ड में आकर घटना के संबंध में सूचना दी थी, जिसके आधार पर साक्षी ने प्रथम सूचना रिपोर्ट प्र.

पी.02 लेखबद्ध की थी। साक्षी ने उक्त दिनांक को ही घटनास्थल जाकर फरियादी की निशांदाही पर घटनास्थल का नजरी नक्शा प्र.पी.03 तैयार किया था। घटनास्थल पर से आहत प्रवीण बिसेन को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल बिरसा भेजा था। बाद में घटनास्थल से ही मृतक व्यक्ति चिमनलाल कटरे एवं सुंदरलाल का पी.एम. फार्म भरकर पी.एम. के लिए भेजा था। साक्षी द्वारा मृतक चिमनलाल कटरे एवं सुंदरलाल के नक्शा पंचायतनामा प्र.पी.05 एवं 07 की कार्यवाही कर शव पी.एम. के लिए भेजा था। मृतक चिमनलाल एवं सुंदरलाल के मृत्यु जांच पंचनामा प्र.पी.04 एवं 06 की कार्यवाही साक्षी द्वारा की गयी थी। मृतक चिमनलाल एवं सुंदरलाल का पी.एम. फार्म प्र.पी.09ए एवं 10 भरकर पी.एम. के लिए शासकीय अस्पताल बिरसा रवाना किया था। साक्षी ने घटनास्थल से एक सुजुकी मोटरसाईकिल क्र. एम.पी.50/डी-2872 क्षतिग्रस्त हालत में प्र.पी.12 के जप्ती पंचनामा के द्वारा जप्त की थी एवं गवाह भागचंद पटले, रमेश चौधरी, भागवती, बृजलाल, कुमेश्वरी कटरे, लालीमा इनवाती, प्रवीण कुमार के कथन उनके बताये अनुसार लेखबद्ध किये थे। साक्षी ने जप्तशुदा वाहन को उनके वारसान को सुपुर्दगी पर दिया था, सुपुर्दगीनामा प्र. पी.13 है। दिनांक 30.12.2012 को बस चालक का पता कर अभियुक्त से वाहन बस क्र. एम.पी.50/ई-0168 मय दस्तावेजों के जप्त कर प्र.पी.08 का जप्ती पंचनामा बनाया था एवं भागचंद अ.सा.02, रमेश चौधरी अ.सा.03 ने सुंदरलाल, चिमनलाल की मृत्यु जांच पंचनामा प्र.पी.04, 06 एवं नक्शा पंचायतनामा प्र.पी. 05, 07 पर क्रमशः ए से ए एवं बी से बी भाग पर हस्ताक्षर किये थे। साक्षीगण के समक्ष पुलिस ने अभियुक्त ओमकार पटेल से बस क्रमांक-एम.पी. 50/बी-0168 मय दस्तावेजों के जप्त कर जप्ती पंचनामा प्र.पी.08 बनाया था, जिस पर क्रमशः ए से ए एवं बी से बी भाग पर साक्षीगण के हस्ताक्षर हैं। मनोज मांगरे अ.सा.11 ने गवाहों के समक्ष अभियुक्त को प्र.पी.14 के गिरफ्तारी पंचनामा द्वारा गिरफ्तार किया था।

18— प्रवीण बिसेन अ.सा.07 प्रकरण की घटना का आहत है। उक्त साक्षी ने उसकी साक्ष्य में यह नहीं बताया है कि अभियुक्त ने प्रकरण में जप्तशुदा बस को उतावलेपन एवं उपेक्षापूर्वक चलाकर प्रकरण की घटना कारित की थी। प्रवीण बिसेन ने उसकी साक्ष्य में घटना कारित करने वाली बस की गति के बारे में नहीं बताया है। रमेश चौधरी अ.सा.03 घटना का प्रत्यक्षदर्शी साक्षी है परंतु उक्त साक्षी ने प्रतिपरीक्षण में यह बताया है कि उसने घटना होते हुए नहीं देखी थी। भागचंद अ.सा.02 घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंच



गया था। उक्त साक्षी ने भी प्रतिपरीक्षण में यह बताया है कि उसने घटना होते हुए नहीं देखी थी। उक्त दोनों साक्षीगण ने उनकी साक्ष्य में घटना कारित करने वाली बस की गति एवं बस का नम्बर नहीं बताया है। प्रवीण बिसेन अ.सा.07 ने भी उसकी साक्ष्य में घटना कारित करने वाली बस का नम्बर नहीं बताया है। भागचंद अ.सा.02, रमेश चौधरी अ.सा.03, प्रवीण बिसेन अ.सा.07 ने उसकी साक्ष्य में घटना के संबंध में अभियुक्त की पहचान सुनिश्चित नहीं की है। इन साक्षीगण ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया है कि प्रश्नाधीन प्रकरण की घटना अभियुक्त ने कारित की थी।

19— लालीमा इनवाती अ.सा.01 मृतक सुंदरलाल की पुत्री है। कुमेश्वरी कटरे अ.सा.05 मृतक चिमनलाल की पत्नी एवं भागवती अ.सा.06 मृतक सुंदरलाल की पत्नी है। उक्त साक्षीगण को दूसरे व्यक्तियों के बताने के आधार पर घटना के बारे में जानकारी लगी थी। उक्त साक्षीगण ने उनकी साक्ष्य में घटना के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं बताया है। यह साक्षीगण एवं बृजलाल अ.सा.04, गोपालदास पटले अ.सा.12 घटना के प्रत्यक्षदर्शी साक्षी नहीं हैं। इस कारण इन साक्षियों की साक्ष्य से घटना का समर्थन होना नहीं माना जाता है। प्रकरण के प्रत्यक्षदर्शी साक्षी एवं प्रकरण के स्वतंत्र साक्षीगण की साक्ष्य से यह प्रमाणित नहीं माना जाता है कि अभियुक्त ने प्रश्नाधीन प्रकरण की घटना कारित की थी। अभियोजन पक्ष प्रकरण की उपरोक्त विवेचना में अभियुक्त के विरुद्ध युक्तियुक्त संदेह से परे यह प्रमाणित करने में असफल रहा है कि अभियुक्त ने घटना दिनांक, समय व स्थान पर वाहन बस क्रमांक एम. पी. 50/ई-0168 को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर मानव जीवन संकटापन्न कारित कर उक्त वाहन से मोटरसाइकिल क्रमांक एम.पी.50/बी-2872 को टक्कर मारकर उसमें बैठे प्रवीण को घोर उपहति कारित कर एवं मोटरसाइकिल पर बैठे मृतक चिमनलाल एवं मृतक सुंदरलाल को बस से टक्कर मारकर मृत्यु इस प्रकार कारित की जो कि आपराधिक मानव वध की कोटि में नहीं आती है। अतः अभियुक्त को भारतीय दण्ड संहिता की धारा-279, 304ए(दो बार), 338 के अपराध के आरोप से दोषमुक्त किया जाता है।

20— अभियुक्त के जमानत मुचलके भारमुक्त किये जाते हैं।

21— अभियुक्त का धारा-428 दं.प्र.सं. का प्रमाण पत्र बनाया जावे।

22— प्रकरण में जप्तशुदा वाहन बस आवेदक की सुपुर्दगी पर है। सुपुर्दगीनामा अपील अवधि पश्चात आवेदक के पक्ष में समाप्त समझा जावे। अपील होने पर माननीय अपीलीय न्यायालय के आदेश का पालन किया जावे।

निर्णय खुले न्यायालय में हस्ताक्षरित व दिनांकित कर घोषित किया गया।

मेरे निर्देशन पर टंकित।

(दिलीप सिंह)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
तहसील बैहर जिला-बालाघाट

(दिलीप सिंह)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
तहसील बैहर जिला-बालाघाट

सामान्य जानकारी हेतु प्रतिलिपि  
(शासकीय / विधिक उपयोग हेतु अमान्य)